INNOVARE JOURNAL OF EDUCATION

Vol 4, Issue 1 , 2016

ISSN:2347-5528

Research Article

ट्यूशन के प्रति माध्यमिक स्तर के शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन

Chandraprabha Sharma

*** सहायक प्राध्यापक, मंदसौर इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, मंदसौर (म.प्र.)**

Emil-id:chandraprabhasharma01@gmail.com

Received:20 December 2015, Revised and Accepted:25 December 2015

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन में ट्यूशन के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन मंदसौर शहर के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के संदर्भ में किया गया है। शोध अध्ययन हेतु मंदसौर शहर के 100 विद्यार्थियों का चयन स्तरीक यादृच्छिक प्रतिचयन विधि के द्वारा न्यादर्श के रूप में किया गया। अध्ययन में स्वनिर्मित प्रश्नावली से विश्लेषण किया गया। प्रश्नावली में कुल 19 प्रश्नों का समावेश किया गया, जिनके उत्तर सहमत/असहमत/अनिश्चित में देना थे। प्रश्नावली में अध्यापक तथा विद्यालय परिस्थिति, सामाजिक परिस्थिति व विद्यार्थियों की उच्च उपलब्धि के लिये आदि से संबंधित प्रश्नों का समावेश किया गया। विश्लेषण के आधार पर विद्यार्थियों की ट्यूशन के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति पाई गई।

मुख्य बिन्दू– शासकीय विद्यालय, विद्यार्थी, ट्यूशन, अभिवृत्ति।

प्रस्तावना

शिक्षा मानव में निहित ज्ञान को अभिव्यक्त करने का माध्यम है। प्रत्येक मानव अपनी योग्यताओं को लेकर जन्म लेता है। जब वे योग्यताएँ सम्पूर्ण रूप से विकसित होती है तभी वह प्रभावपूर्ण तरीके से लोगों से मिलता है तथा वातावरण के साथ समायोजित कर पाता है, जो उसके जीवन को सफल बनाता है। शिक्षा विद्यालय में रहकर ही प्राप्त की जा सकती है, चाहे वह निजी विद्यालय हो या शासकीय। आज शिक्षा का विद्यालयीकरण हो गया है। जिसमें निश्चित अवधि में निश्चित समय विभाग चक्र के माध्यम से निश्चित विषय अध्यापकों द्वारा निश्चित कालांशों मे पढाना समाहित है। विद्यालय प्रणाली की जटिलता ने जन्म दिया है गृहकार्य की अपरिहार्यता को। जो इस प्रणाली की सफलता का एकमात्र साधन बनकर रह गया है। आज वही शिक्षा औपचारिक पढने लिखने व गणना करने के संकीर्ण अर्थो में विद्यालयों में क्रियान्वित की जा रही है। विद्यार्थी पर इसके फलस्वरूप प्रांरभ से ही बस्तों का बोझ इतना बढ जाता है कि वह अपनी आयु संरचना की तुलना में शैक्षिक पाठयक्रम को अपनी पहुँच से बाहर समझने लगता है, और ऐसी स्थिति में अभिभावक की अपने बच्चे को अच्छी श्रेणी मे उत्तीर्ण करवाने की मानसिकता ट्यूशन प्रवृति को पनपाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही है।

विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का अध्ययन किया गया।

प्रविधि

प्रस्तावित शोधकार्य हेतु निम्नलिखित सांख्यिकी प्रविधि का उपयोग किया गया।

प्रतिशत

प्रस्तावित शोधकार्य से संबंधित समस्या के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति को ज्ञात करने के लिये प्रश्नावली के विभिन्न प्रश्नों के उत्तरों का प्रतिशत ज्ञात किया गया।

वैधता

शोध अध्ययन में समस्या से संबंधित तथ्यों व सूचनाओं को एकत्रित करने हेतु उपकरणों का निर्माण शोधार्थी द्वारा विशेषज्ञों की राय से किया गया है, यह विषय–वस्तु के आधार पर वैध है।

न्यादर्श

शिक्षा के क्षेत्र में शोध अध्ययनों की कमी को देखते हुये प्रस्तुत शोध में मध्य प्रदेश की मन्दसौर जिले को चुना गया है। इस हेतु मन्दसौर जिले के पॉच सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का चयन किया गया है।

प्रक्रिया

प्रस्तुत शोध में स्वनिर्मित प्रश्नावली का निर्माण विद्यार्थियों से जानकारी प्राप्त करने हेतु किया गया। प्रश्नावली में कुल 19 प्रश्नों का समावेश किया गया जिनके उत्तर सहमत/असहमत/अनिश्चित में देना थे। प्रश्नावली में अध्यापक तथा विद्यालय परिस्थिति, सामाजिक परिस्थिति व उच्च उपलब्धि के लिये आदि से संबंधित प्रश्नों का समावेश किया गया है। शोधार्थी द्वारा विद्यालय में जाकर प्राचार्य की अनुमति से विद्यार्थियों से सोदार्शपूर्ण वातारण में प्रश्नावली भरवायी गयी एवं विद्यार्थियों को आश्वस्त किया गया कि आपकी जानकारी पूर्ण रूप से गोपनीय रखी जायेगी।

कमांक	विद्यालय का नाम	न्यादर्श संख्या	
		छात्र	छात्रायें
1	उत्कृष्ट विद्यालय, मंदसौर	10	10
2	लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मंदसौर	10	10
3	महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मंदसौर	10	10
4	नूतन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मंदसौर	10	10
5	बालागंज कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मंदसौर	10	10
	कुल योग		**100**

सारणी 1
ट्यूशन के प्रति शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन
अध्यापक तथा विद्यालयी परिस्थिति

क्र.	कथन	छात्र N=50						छात्रा N=50					
		सह मत	प्रति शत	असह मत	प्रति शत	अनि श्चित	प्रति शत	सह मत	प्रति शत	असह मत	प्रति शत	अनि श्चित	प्रतिशत
1	ट्यूशन करने वाले अध्यापक विद्यालय में अच्छा नही पढाते हैं ।	78	52	69	46	03	02	96	64	33	22	21	14
2	ट्यूशन करने वाले अध्यापक विद्यार्थियों पर ट्यूशन के लिये दबाब डालते है ।	48	32	99	66	18	12	75	50	69	46	06	04
3	कक्षा में विद्यार्थियों की संख्या अधिक होने के कारण अध्यापक अच्छा नहीं पढाते है। अतः विद्यार्थी ट्यूशन करते है।	96	64	51	34	03	02	87	58	45	30	18	12
4	ट्यूशन करने से अध्यापक विद्यार्थियों पर विद्यालय में अतिरिक्त ध्यान देता है ।	87	58	51	34	12	08	120	80	24	16	06	04
5	प्रायोगिक परीक्ष में अच्छे अंक विज्ञान अध्यापकों से ट्यूशन करने से मिलते है।	57	38	90	60	03	02	63	42	75	50	12	08
6	ट्यूशन वाले अध्यापक विद्यार्थियों को गहन अध्ययन के लिये प्रेरित करते हैं ।	99	66	36	24	15	10	114	76	30	20	06	04
7	विद्यालय में पाठ्यक्रम समय पर पूर्ण न होने के कारण विद्यार्थी ट्यूशन करते है ।	111	74	30	20	09	06	99	66	30	20	21	14

सारणी 1 अनुसार 52 प्रतिशत छात्र व 64 प्रतिशत छात्राओं का मानना है कि ट्यूशन करने वाले अध्यापक विद्यालय में अच्छा नही पढाते हैं। और 32 प्रतिशत छात्र व 50 प्रतिशत छात्राओं का मानना है कि ट्यूशन करने वाले अध्यापक विद्यार्थियों पर ट्यूशन के लिये दबाब डालते हैं। 64 प्रतिशत छात्र व 58 प्रतिशत छात्राओं का मानना है कि कक्षा में विद्यार्थियों की संख्या अधिक होने के कारण अध्यापक अच्छा नहीं पढाते है। अतः विद्यार्थी ट्यूशन करते हैं। 58 प्रतिशत छात्र व 80 प्रतिशत छात्राओं का मानना है कि ट्यूशन करने से अध्यापक विद्यार्थियों पर विद्यालय में अतिरिक्त ध्यान देता है । 38 प्रतिशत छात्र व 42 प्रतिशत छात्राओं का मानना है कि प्रायोगिक परीक्षा में अच्छे अंक विज्ञान अध्यापकों से ट्यूशन करने से मिलते हैं। 66 प्रतिशत छात्र व 76 प्रतिशत छात्राओं का मानना है कि ट्यूशन वाले अध्यापक विद्यार्थियों को गहन अध्ययन के लिये प्रेरित करते हैं । 74 प्रतिशत छात्र व 66 प्रतिशत छात्राओं का मानना है कि विद्यालय में पाठ्यक्रम समय पर पूर्ण न होने के कारण विद्यार्थी ट्यूशन करते है ।

सारणी क्रमांक –2
सामाजिक परिस्थितियॉ

क्र.	कथन	छात्र N=50						छात्रा N=50					
		सह मत	प्रति शत	असह मत	प्रति शत	अनि श्चित	प्रति शत	सह मत	प्रति शत	असह मत	प्रति शत	अनि श्चित	प्रतिशत
1	अभिभावक ट्यूशन की फीस बिना आर्थिक दबाव के देते हैं	5	50	60	40	15	10	93	62	33	22	24	16
2	अभिभावक के पास समयाभाव होने के कारण विद्यार्थी ट्यूशन करते हैं।	81	54	60	40	09	06	66	44	84	56	00	00
3	विद्यार्थी अधिक समय घर से बाहर गुजार सकें, इस हेतु ट्यूशन करते है ।	27	18	108	72	15	10	33	22	96	64	21	14
4	अभिभावकों की इच्छा पूर्ति हेतु विद्यार्थी ट्यूशन करते हैं।	42	28	96	64	12	08	57	38	75	50	18	12

सारणी 2 अनुसार 50 प्रतिशत छात्र व 62 प्रतिशत छात्राओं का मानना है कि अभिभावक ट्यूशन की फीस बिना आर्थिक दबाव के देते हैं। और 54 प्रतिशत छात्र व 44 प्रतिशत छात्राओं का मानना है कि अभिभावक के पास समयाभाव होने के कारण विद्यार्थी ट्यूशन करते हैं। 18 प्रतिशत छात्र व 22 प्रतिशत छात्राओं का मानना है कि विद्यार्थी अधिक समय घर से बाहर गुजार सकें, इस हेतु ट्यूशन करते है । 28 प्रतिशत छात्र व 38 प्रतिशत छात्राओं का मानना है कि अभिभावकों की इच्छा पूर्ति हेतु विद्यार्थी ट्यूशन करते हैं।

सारणी क्रमांक –3
उच्च उपलब्धि के लिये

क्र.	कथन	छात्र N=50						छात्रा N=50					
		सह मत	प्रति शत	असह मत	प्रति शत	अनि श्चित	प्रति शत	सह मत	प्रति शत	असह मत	प्रति शत	अनि श्चित	प्रतिशत
1	परीक्षा में अच्छे अंक पाने के लिये ट्यूशन आवश्यक है।	117	78	21	14	12	08	81	54	51	34	18	12
2	भविष्य में मन चाहे विषय को पाने के लिये विद्यार्थी ट्यूशन करते है।	90	60	54	36	06	04	72	48	63	42	15	10
3	ट्यूशन करने के बाद विद्यार्थी की विषयगत कमजोरी दूर होती है।	135	90	12	08	03	02	138	92	09	06	03	02
4	विद्यालय पाठ्यक्रम के अलावा ज्ञानवृद्वि के लिये ट्यूशन आवश्यक है।	87	58	39	26	24	16	66	44	75	50	09	06

5	बोर्ड परीक्षा परिणाम उच्च लाने के लिये ट्यूशन आवश्यक है।	108	72	33	22	09	06	108	72	24	16	18	12
6	भविष्य की महत्वाकांक्षा पूर्ण करने के लिये ट्यूशन आवश्यक है।	75	50	48	32	27	18	36	24	90	60	24	16
7	प्रतियोगी परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु ट्यूशन आवश्यक है।	90	60	51	34	09	06	81	54	39	26	30	20
8	विद्यार्थी आपसी प्रतिस्पर्धा के कारण ट्यूशन करते हैं।	45	30	75	50	30	20	81	54	57	38	12	08

सारणी 3 अनुसार 78 प्रतिशत छात्र व 54 प्रतिशत छात्राओं का मानना है कि परीक्षा में अच्छे अंक पाने के लिये ट्यूशन आवश्यक है। और 60 प्रतिशत छात्र व 48 प्रतिशत छात्राओं का मानना है कि भविष्य में मन चाहे विषय को पाने के लिये विद्यार्थी ट्यूशन करते है। 90 प्रतिशत छात्र व 92 प्रतिशत छात्राओं का मानना है कि ट्यूशन करने के बाद विद्यार्थी की विषयगत कमजोरी दूर होती है। 58 प्रतिशत छात्र व 44 प्रतिशत छात्राओं का मानना है कि विद्यालय पाठ्यक्रम के अलावा ज्ञानवृद्वि के लिये ट्यूशन आवश्यक है। 72 प्रतिशत छात्र व 72 प्रतिशत छात्राओं का मानना है कि बोर्ड परीक्षा परिणाम उच्च लाने के लिये ट्यूशन आवश्यक है। और 50 प्रतिशत छात्र व 24 प्रतिशत छात्राओं का मानना है कि भविष्य की महत्वाकांक्षा पूर्ण करने के लिये ट्यूशन आवश्यक है। 60 प्रतिशत छात्र व 54 प्रतिशत छात्राओं का मानना है कि प्रतियोगी परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु ट्यूशन आवश्यक है। 30 प्रतिशत छात्र व 54 प्रतिशत छात्राओं का मानना है कि विद्यार्थी आपसी प्रतिस्पर्धा के कारण ट्यूशन करते हैं।

सुझाव

1. विद्यार्थियों को चाहिये कि विद्यालय में शिक्षक द्वारा पढायें गये विषय को जागरूक रहकर अध्ययन करे।
2. शिक्षक द्वारा दिये गये गृहकार्य एवं कक्षा कार्य को समय पर पूर्ण करे।
3. यदि विद्यार्थी शिक्षक द्वारा पढाये गये विषय को कक्षा में ही ध्यान से समझने की कोशिश करे तो उन्हे अतिरिक्त ट्यूशन की आवश्यकता नही पडेगी।

संदर्भ ग्रन्थ

1. Mathematics Education Research Group, Vil.-1, Marga 2009.
2. Matiba, Fortunatha Mathias युनिवर्सिटी ऑफ Dav Es Salaam (तंजानिया) 2009
3. Metha Jooton Kilonzo , नेरोबी विश्वविद्यालय, 2014
4. लावशा मोहम्मद एवं हुसैन वहीद, अतंराष्ट्रीय इस्लामी विश्वविद्यालय, मलेशिया , अक्टूबर 2011 ।
5. गुल नजीर खान और अरशद अली शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पेशावर विश्वविद्यालय, 6 मई 2012 ।
6. मैथ्या और मैथ्यु, जर्नल ऑफ एजुकेशनल पॉलिसी एण्ड इन्टरप्री. रीसर्च (JEPER) Vol. 1 – 2, No. 8, Aug – 2015 .